NEWS CLIPPING: 27.08.2021

THE IMPRESSIVE TIMES

J.C. Bose University signs MoU with Arctic University of Norway

TIT Correspondent

info@impressivetimes.com

FARIDABAD: Taking yet another step to promote academic collaboration with the Universities of International repute, J.C. Bose University of Science & Technology, YMCA Faridabad today signed an MoU with UiT – The Arctic University of Norway. The MoU has been signed between the Department of Electronics Engineering of J.C. Bose University and the Faculty of Engineering, Science and Technology, UiT – The Arctic University of Norway to establish a mutually beneficial relationship built on academic and scientific cooperation to foster a collaborative framework. In a program which was held online, Prof. Bjørn Solvang, Dean Faculty of Engineering Science and Technology, UiT – The Arctic University of Norway and Prof. Vikas Turk, Dean Academic Affairs from JC Bose University exchanged the MoU. Prof. Arild Steen, Head of the Electrical Engineering Department and Dr. Pawan Sharma, Associate Professor, Electrical Engineering Department from UiT – The Arctic University of Norway, and Prof. Neelam Turk, Chairperson of Electronics Engineering, Prof. Pardeep Dimri, Department of Electronics Engineering and Dr. Shilpa Sethi, Director, International Affairs from J.C. Bose University were also present in the online ceremony. Speaking on this occasion, Prof. Vikas Turk said that the partnership would help both institutions to promote academic excellence and assured to implement the MoU in letter and spirit. Prof. Neelam Turk applauded the efforts taken by the Director, International Affair Cell to facilitate the association between both Universities.

> **THE MOU HAS BEEN SIGNED BETWEEN THE DEPARTMENT OF ELECTRONICS ENGINEERING OF J.C. BOSE UNIVERSITY AND THE FACULTY OF ENGINEERING, SCIENCE AND TECHNOLOGY, UIT – THE ARCTIC UNIVERSITY OF NORWAY TO ESTABLISH A MUTUALLY BENEFICIAL RELATIONSHIP BUILT ON ACADEMIC AND SCIENTIFIC COOPERATION TO FOSTER A COLLABORATIVE FRAMEWORK.**

NEWS CLIPPING: 27.08.2021

PUNJAB KESARI

जेसी बोस विश्वविद्यालय ने नॉर्वे की आर्कटिक युनिवर्सिटी से किया समझौता

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर परस्पर अकादमिक सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

फरीदाबाद, 26 अगस्त (पूजा शर्मा): अंतरराष्ट्रय स्तर पर विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आज नॉर्वे की आर्कटिक युनिवर्सिटी (यूआईटी) के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर किए।

आनलाइन समझौते का आदान–प्रदान करते हुए प्रो. ब्योर्न सोलवांग और प्रो. विकास तुर्क। (छाया: एस शर्मा)

जेसी बोस विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग तथा नॉर्वे की आर्कटिक युनिवर्सिटी (यूआईटी) के इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच परस्पर अकादमिक और वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौता पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ऑनलाइन आयोजित एक कार्यक्रम में आर्कटिक युनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के डीन प्रो. ब्योर्न सोलवांग और जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के अकादमिक मामलों के डीन प्रो. विकास तुर्क ने समझौते का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर आर्कटिक युनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. एरिल्ड स्टीन एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ पवन शर्मा, और जे.सी. बोस विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की अध्यक्ष प्रो. नीलम तुर्क, प्रो. प्रदीप डिमरी तथा अंतरराष्ट्रीय मामलों की निदेशक डॉ. शिल्पा सेठी भी मौजूद थीं। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. विकास तुर्क ने आशा जताई कि समझौते से परस्पर अकादमिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

प्रो. नीलम तुर्क ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को सुगम बनाने के लिए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल अफेयर्स सेल के प्रयासों की सराहना की। इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. शिल्पा सेठी ने कहा कि यह अकादमिक सहयोग कुलपति प्रो. दिनेश कुमार के निरंतर प्रोत्साहन और सहयोग का परिणाम है, जिसका उद्देश्य अंतराष्टीय स्तर पर अकादमिक सहभागिता तथा सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देना है।

दोनों संस्थान विशेषज्ञ व्याख्यान और कार्यशालाओं की सह-मेजबानी के माध्यम से विशेषज्ञता का आदान-प्रदान भी करेंगे। इससे पहले डॉ. सेठी ने अतिथियों का स्वागत किया और समझौते के प्रावधानों पर चर्चा की। उन्होंने समझौते में योगदान देने के लिए आर्कटिक युनिवर्सिटी से डॉ. पवन शर्मा और विश्वविद्यालय से उप कुलसचिव मनीष गुप्ता के प्रयासों की सराहना की। प्रो. प्रदीप डिमरी ने इस समझौता में निहित संयुक्त गतिविधियों को क्रियान्वित करने में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की ओर से सहयोग का आश्वासन दिया।

NEWS CLIPPING: 27.08.2021

PIONEER

जेसी बोस ने नॉर्वे की आर्कटिक यूनिवर्सिटी से किया समझौता

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आज नॉर्वे की आर्कटिक यूनिवर्सिटी (यूआईटी) के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर किए।

जेसी बोस विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग तथा नॉर्वे की आर्कटिक यूनिवर्सिटी (यूआईटी) के इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच परस्पर अकादमिक और वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौता पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ऑनलाइन आयोजित एक कार्यक्रम में आर्कटिक यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के डीन प्रो. ब्योर्न सोलवांग और जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के अकादमिक मामलों के डीन प्रो. विकास तुर्क ने समझौते का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर आर्कटिक यूनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. एरिल्ड स्टीन एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ पवन शर्मा, और जे.सी. बोस विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की अध्यक्ष प्रो. नीलम तुर्क, प्रो. प्रदीप डिमरी तथा अंतरराष्ट्रीय मामलों की निदेशक डॉ. शिल्पा सेठी भी मौजूद थीं।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. विकास तुर्क ने आशा जताई कि समझौते से परस्पर अकादमिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। प्रो. नीलम तुर्क ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को सुगम बनाने के लिए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल अफेयर्स सेल के प्रयासों की सराहना की।

NEWS CLIPPING: 27.08.2021

AAJ SAMAJ

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने नॉर्वे की आर्कटिक युनिवर्सिटी से किया समझौता

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद । अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने बृहस्पतिवार को नॉर्वे की आर्कटिक युनिवर्सिटी (यूआईटी) के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर किए। जेसी बोस विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग तथा नॉर्वे की आर्कटिक युनिवर्सिटी (यूआईटी) के इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच परस्पर अकादमिक और वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौता पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ऑनलाइन आयोजित एक कार्यक्रम में आर्कटिक युनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के डीन प्रो. ब्योर्न सोलवांग और जेसी बोस विश्वविद्यालय के अकादमिक मामलों के डीन प्रो विकास तुर्क ने समझौते का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर आर्कटिक युनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. एरिल्ड स्टीन एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ पवन शर्मा, और जे.सी. बोस विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की अध्यक्ष प्रो. नीलम तुर्क, प्रो. प्रदीप डिमरी तथा अंतरराष्ट्रीय मामलों की निदेशक डॉ. शिल्पा सेठी भी मौजूद थीं। इससे पहले डॉ. सेठी ने अतिथियों का स्वागत किया और समझौते के प्रावधानों पर चर्चा की। उन्होंने समझौते में योगदान देने के लिए आर्कटिक युनिवर्सिटी से डॉ. पवन शर्मा और विश्वविद्यालय से उप कुलसचिव मनीष गुप्ता के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में उप निदेशक डॉ. राजीव साहा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन इंटरनेशनल अफेयर्स सेल की समन्वयक डॉ सपना तनेजा द्वारा किया गया। इस अवसर पर इंटरनेशनल अफेयर्स सेल की समन्वयक डॉ. ममता कथूरिया तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

समझौते का आदान-प्रदान करते हुए प्रो. ब्योर्न सोलवांग और प्रो. विकास तुर्क।

NEWS CLIPPING: 27.08.2021

SATYAJAY TIMES

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने नॉर्वे की आर्कटिक युनिवर्सिटी से किया समझौता

फरीदाबाद, 26 अगस्त, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोड़ा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आज नॉर्वे की आर्कटिक युनिवर्सिटी (यूआईटी) के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर किए। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग तथा नॉर्वे की आर्कटिक युनिवर्सिटी (यूआईटी) के इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच परस्पर अकादमिक और वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौता पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ऑनलाइन आयोजित एक कार्यक्रम में आर्कटिक युनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के डीन प्रो. ब्योर्न सोलवांग और जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के अकादमिक मामलों के डीन प्रो. विकास तुर्क ने समझौते का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर आर्कटिक युनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. एरिल्ड स्टीन एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ पवन शर्मा, और जे.सी. बोस विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की अध्यक्ष प्रो. नीलम तुर्क, प्रो. प्रदीप डिमरी तथा अंतरराष्ट्रीय मामलों की निदेशक डॉ. शिल्पा सेठी भी मौजूद थीं। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. विकास तुर्क ने आशा जताई कि समझौते से परस्पर अकादमिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। प्रो. नीलम तुर्क ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को सुगम बनाने के लिए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल अफेयर्स सेल के प्रयासों की सराहना की।

इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. शिल्पा सेठी ने कहा कि यह अकादमिक सहयोग कुलपति प्रो. दिनेश कुमार के निरंतर प्रोत्साहन और सहयोग का परिणाम है, जिसका उद्देश्य अंतराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक सहभागिता तथा सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देना है। दोनों संस्थान विशेषज्ञ व्याख्यान और कार्यशालाओं की सह-मेजबानी के माध्यम से विशेषज्ञता का आदान-प्रदान भी करेंगे। इससे पहले डॉ. सेठी ने अतिथियों का स्वागत किया और समझौते के प्रावधानों पर चर्चा की। उन्होंने समझौते में योगदान देने के लिए आर्कटिक युनिवर्सिटी से डॉ. पवन शर्मा और विश्वविद्यालय से उप कुलसचिव मनीष गुप्ता के प्रयासों की सराहना की। प्रो. प्रदीप डिमरी ने इस समझौता में निहित संयुक्त गतिविधियों को क्रियान्वित करने में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग की ओर से सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में उप निदेशक डॉ. राजीव साहा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन इंटरनेशनल अफेयर्स सेल की समन्वयक डॉ सपना तनेजा द्वारा किया गया। इस अवसर पर इंटरनेशनल अफेयर्स सेल की समन्वयक डॉ. ममता कथूरिया तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अन्य संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING: 27.08.2021

GURGAON MAIL

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय ने नॉर्वे की आर्कटिक युनिवर्सिटी से किया समझौता

खेमचंद गर्ग/गुड़गांव मेल

फरीदाबाद, 26 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने आज नॉर्वे की आर्कटिक युनिवर्सिटी (यूआईटी) के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर किए।जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग तथा नॉर्वे की आर्कटिक युनिवर्सिटी (यूआईटी) के इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच परस्पर अकादमिक और वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौता पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ऑनलाइन आयोजित एक कार्यक्रम में आर्कटिक युनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के डीन प्रो. ब्योर्न सोलवांग और जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के अकादमिक मामलों के डीन प्रो. विकास तुर्क ने समझौते का आदान-प्रदान किया।

इस अवसर पर आर्कटिक युनिवर्सिटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. एरिल्ड स्टीन एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ पवन शर्मा, और जे.सी. बोस विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग की अध्यक्ष प्रो. नीलम तुर्क, प्रो. प्रदीप डिमरी तथा अंतरराष्ट्रीय मामलों की निदेशक डॉ. शिल्पा सेठी भी मौजूद थीं।इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. विकास तुर्क ने आशा जताई कि समझौते से परस्पर अकादमिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। प्रो. नीलम तुर्क ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को सुगम बनाने के लिए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल अफेयर्स सेल के प्रयासों की सराहना की।

इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. शिल्पा सेठी ने कहा कि यह अकादमिक सहयोग कुलपति प्रो. दिनेश कुमार के निरंतर प्रोत्साहन और सहयोग का परिणाम है, जिसका उद्देश्य अंतराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक सहभागितातथा सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देना है।